

Shri Ranga: In view of the fact that the earlier policy of obtaining loans for certain specific projects to which priority was given on careful consideration was found to be useful and it also ensured the execution of those specific projects, why is it the Government wants more and more of these untied loans in order to increase the area of manoeuvring? Would it not lead to more reckless expenditure?

The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): No, Sir.

Shri Ranga: Then, why Sir? You should give us some reasons. They should be known to us.

Shri Jaipal Singh: I have not been able to understand what the hon. Deputy Minister has been saying. If there is untied loan, it cannot be elastic. There must be some string somewhere. I would like to understand how elasticity comes into any untied programme.

Shri Ranga: They can play with it as they like.

Shri T. T. Krishnamachari: In the case of tied loans they are being tied to particular projects or to particular countries. That means we have got to get our equipment from those countries. Sometimes it is more costly. We are trying to get some kind of escalation from both these conditions. A certain amount of loan not tied to projects might be used as a part of multilateral currency. That gives an opportunity to get some other goods that are necessary and which we are not able to cover from free foreign exchange. The word 'elasticity' perhaps connotes something which is improper, but there is nothing improper about it; I can assure the hon. Member about that.

श्री यशपाल सिंह : यह जो धनराशि विदेशों से मिलेगी वह लोन की शकल में

मिलेगी तो उस पर हम को केवल सर्विस चार्ज देने होंगे या कोई इंटरेस्ट भी देना पड़ेगा । यदि इंटरेस्ट देना होगा तो कितना देना होगा ।

श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा : सूद तो हम को देना ही पड़ेगा । जो कर्जा हम लेंगे उस पर सूद तो देंगे ही ।

Family Planning

+

***1070.** { **Shri Onkar Lal Berwa;**
Shri Vishwa Nath Pandey;
Shri Tan Singh;
Dr. P. Srinivasan;
Shri Parmasivan;

Will the Minister of Health be pleased to state the total number of persons, men and women, separately sterilised under the family planning programme up to the 31st January, 1964 since the scheme started?

The Minister of Health (Dr. D. S. Raju): The number of persons sterilized in Government institutions and clinics since January, 1956, till the end of January, 1964, is 5,47,003 (3,42,231 men and 2,04,772 women).

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं जानना चाहता हूँ कि इस योजना की तहत हम ने अब तक कितना रुपया खर्च कर दिया है और इस को आगे बढ़ाने के लिए और क्या कर रहे हैं ।

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : स्टेरिलाइजेशन के लिये कितना रुपया खर्च किया गया इस के लिये अलग से तो हमारे पास कोई हिसाब है नहीं । अगर माननीय सदस्य नोटिस देंगे तो हम इन्फार्मेशन इकट्ठी कर देंगे । जो सामान्य फैमिली प्लैनिंग योजना चलती है उस के अन्तर्गत एक मद स्टेरिलाइजेशन की भी है ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या यह भी सही है कि इस योजना का मुसलमानों ने

विरोध किया है और बंध्याकरण केवल हिन्दुओं का हुआ है।

डा० सुशीला नायर : हम ने कोई जाति पांति का हिसाब तो रक्खा नहीं है, लेकिन सामान्यतया, जैसे मैं ने पहले भी बतलाया है, कैथोलिक कम्प्यूनिटी में इसका विरोध है और मुसलमानों में भी यह कोई बहुत ज्यादा लोकप्रिय नहीं है।

श्री श्रीकारलाल बेरवा : कितने मुसलमानों का बन्ध्याकरण किया गया है।

श्री तन सिंह : ३१-१-६४ तक के जो आंकड़े दिये गये हैं वे अनुमानित योजना से कितने कम हैं और इस कमी का क्या कारण है।

डा० सुशीला नायर : दिन-ब-दिन और साल-ब-साल प्रगति हो रही है। कितने स्टेरिलाइजेशन होंगे, इस का हिसाब हम पहले से तो बना कर नहीं रख सकते। लेकिन यह बात जरूर है कि सब प्रकार के फैमिली प्लानिंग के तरीकों से शीघ्रातिशीघ्र हम चाहते हैं कि हमारा बर्थ रेट २० प्रति १००० तक आ जाये। -

Shri R. S. Pandey: Apart from sterilisation, what other methods have been suggested by the Ministry to check the population?

Mr. Speaker: This question relates only to sterilisation.

श्री काशी राम गुप्त : क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगी कि किस उम्र के लोगों को इस में ज्यादातर प्रोत्साहन दिया जाता है और २५ वर्ष की उम्र तक के लोगों को हतोत्साह किया जाता है अथवा नहीं।

डा० सुशीला नायर : जिन के तीन बच्चे होते हैं अगर वे पत्नी और पति दोनों समझ बूझ कर लिख कर इजाजत देते हैं तब उन पर आपरेशन किया जाता है।

श्री काशी राम गुप्त : क्या उम्र का कोई प्रश्न नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : आप के लिये कोई पाबन्दी नहीं है।

Shri Hem Barua: May I know whether it is a fact that Government have prescribed and tried to popularise the rhythm method as a birth control measure, and if so, whether the attention of the hon. Minister has been drawn to a statement made some time back by a British woman M.P. to the effect that the rhythm method is sinful because it puts a ban on the natural urges of man and woman, and if so, whether Government have examined that aspect of the problem?

Mr. Speaker: We shall try the rhythm method somewhere else. Now, it is only sterilisation.

Shri Bhagwat Jha Azad: Is it a fact that in spite of the fact that people in distant villages are prepared for such sterilisation, the facilities available are few and far between and are limited only to district headquarters and have not yet reached the villages?

Dr. Sushila Nayar: This is not correct. There are, of course, differences in the level of performance of different State Governments. But a number of State Governments, particularly Maharashtra and Madras, have held camps at the block headquarters, which have proved very successful.

Shri Kapur Singh: Is supremacy of economic considerations over the ethical and religious principles now a firm public policy with this Government?

Dr. Sushila Nayar: There is no question of supremacy of one over the other. I do not think we have done anything which is against religious and ethical principles. This is purely a voluntary programme and there is no compulsion on anybody.

Shri Kapur Singh: Cannot a voluntary programme transgress ethical and

religious principles when enforced by the State?

Mr. Speaker: Shri Banerjee.

Shri S. M. Banerjee: Has it been brought to the notice of the hon. Minister that in rich families without birth control there are no issues whereas in poor families, they are flooded with issues. What is the reason for this phenomenon?

Shri Hem Barua: I can quote from Bertrand Russel in this connection.

Mr. Speaker: Fecundity varies in inverse proportion with nutritions. That is an economic law.

श्री जगदेव सिंह सिद्धांती : परिवार नियोजन कार्यक्रम में ब्रह्मचर्य प्रणाली से जीवन व्यतीत करने के लाभ का भी प्रचार किया जाता है या नहीं ?

डा० सुशीला नायर : जी हाँ, जरूर किया जाता है ।

श्री रा० स० तिवारी : मैं परिवार नियोजन में सम्बन्ध में कहना चाहता हूँ कि एक कम्प्यूनिटी इसका विरोध करती है, दूसरी कम्प्यूनिटी इस को मानती है तो जो कम्प्यूनिटी इस का विरोध करती है उसकी सन्तानें बढ़ती रहेंगी और जो मानती है उन की पापुलेशन कम हो जायेगी । इस के लिये क्या सोचा जा रहा है ।

डा० सुशीला नायर : जो कुटुम्ब या कम्प्यूनिटी इस बारे में असावधान रहेगी उन का जीवन स्तर ऊँचा नहीं जायेगा ।

परिवार नियोजन योजनाओं का विरोध

*१०७१. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में सरकार की परिवार नियोजन योजनाओं के विरोध में कुछ व्यक्ति अथवा संगठन आन्दोलन कर रहे हैं ;

(ख) क्या सरकार को इस सम्बन्ध में पत्र मिले हैं ;

(ग) यदि हाँ, तो सरकार की नीति का विरोध करने वालों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ; और .

(घ) यदि अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है तो इसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) :

(क) जी नहीं ; इस समय परिवार नियोजन योजनाओं के विरोध में कोई संगठित आन्दोलन नहीं है तथापि कुछ व्यक्तियों ने समय समय पर परिवार नियोजन के विरुद्ध विचार व्यक्त किये हैं ।

(ख) कुछ व्यक्तियों से इस बारे में आपत्तियाँ आई हैं ।

(ग) श्री (घ). परिवार नियोजन के पक्ष या विपक्ष में विचार प्रकट करना कोई ऐसा काम नहीं है जिस पर परिवार नियोजन के पक्ष में जनमत जागृत करने के अलावा कोई और कार्यवाही की जाये ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : अभी मंत्री जी ने बतलाया कि कुछ व्यक्ति इस प्रकार के हैं जो परिवार नियोजन के विपक्ष में कार्य कर रहे हैं । कुछ दिन पूर्व गृह मंत्री जी ने इस प्रकार का वक्तव्य देते हुए एक संसद् सदस्य की चर्चा की थी जो यह कहते हैं कि यह उन के धर्म के विपरीत है । जब एक और सरकार करोड़ों रुपये इस के ऊपर व्यय कर रही है और दूसरी ओर लोग इस के विपरीत बोल रहे हैं तो क्या मैं जान सकता हूँ कि कोई मध्य का मार्ग निकालने का यत्न किया जा रहा है ।

डा० सुशीला नायर : जनमत को इस कार्यक्रम को स्वीकार करने के लिये तैयार किया